Course --- B.Ed,Part --1

Paper-- 7th,Learning and Assessment

Prepared by -- Dr Meena Kumari

Topic -- Tool of Evaluation,(Aptitude Test continued……)

अभिक्षमता परीक्षण

(1)प्रस्तावना ---दैनिक जीवन में ये हमेशा सुनने को मिलता है कि अमुक बच्चा मशीन के कार्यों में दक्ष है,तो कोई पेंटिंग में ,तो कोई बच्चा संगीत में और उसी क्षेत्र में उनकी रुचि भी है तो उसे उसी अनुसार क्रमशः इंजीनियर या पेंटर या गायक बनने की संभावना होती है। ऐसी योग्यता,प्रतिभा और दक्षता को हीं अभिक्षमता कहते हैं।शैक्षिक ,व्यवसायिक तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श और मार्गदर्शन के लिए अभिक्षमता अों का ज्ञान होना आवश्यक होता है। अगर बच्चों में संबंधित अभिक्षमता का अभाव होने पर उस क्षेत्र में अधिक धन ,समय तथा शक्ति का दुरुपयोग होता है।इसलिए किस बच्चों में कौन सी क्षमता है उसको जानकर भविष्य की योजनाओं को बनाने में सहूलियत होती है। अभिक्षमता को पता करने के लिए उसका मापन करना आवश्यक होता है। अभिक्षमता का मापन अभिक्षमता परीक्षण के द्वारा किया जाता है।

(2) अभिक्षमता परीक्षण के अर्थ -- प्रभावशाली शैक्षिक तथा व्यवसायिक निर्देशन एवम् उपयुक्त जगह पर नियुक्ति के लिए विभिन्न अभिक्षमता परीक्षणों की आश्यकता होती है।
अर्थात अभिक्षमता के मापन के लिए जिन विशेष परीक्षणों को उपयोग में लाया जाता है उसे अभिक्षमता परीक्षण कहते हैं।

फ्रीमैन के अनुसार "अभिक्षमता परीक्षण उस परीक्षण को कहते हैं जिसकी रचना किसी विशेष प्रकार की तथा किसी सीमित क्षेत्र की क्रिया करने की योग्यता को मापने के लिए की जाती है "!

ऐसे परीक्षण को विशेष योग्यता परीक्षण या विशेषक परीक्षण भी कहते हैं। ऐसी विशेषताएं व्यक्ति के किसी विशेष कार्य क्षेत्र में भावी सफलता की ओर इशारा करती है। इसलिए ऐसे परीक्षणों का उपयोग निर्देशन तथा व्यक्ति के किसी विशेष व्यवसाय में सफलता की भविष्यवाणी करने के लिए किया जाता है।मानकीकृत परीक्षण के आधार पर विशेष प्रशिक्षण और शैक्षिक पाठ्यक्रमों में भाग लिया जा सकता है।अभिक्षमता परीक्षण के निर्माण की विधि लगभग उसी तरह से है जैसे बुद्धि परीक्षण के निर्माण में विधि उपयोग में लाई जाती है ।दोनों प्रकारों के परीक्षणों में मुख्य अंतर यह है कि उन कार्यों एवं क्रियाओं का भिन्न-भिन्न होना है जिनको दोनों परीक्षण में उपयोग में लाया जाता है।

(3) अभिक्षमता परीक्षण के प्रकार ---- प्रकृति के आधार पर अभिक्षमता परीक्षण को तीन भागों में बांटा जा सकता है--

१) सामान्य अभिक्षमता परीक्षण

२)भेदक अभिक्षमता परीक्षण

३)विशिष्ट अभिक्षमता परीक्षण

१) सामान्य अभिक्षमता परीक्षण -- इस परीक्षण के अंतर्गत किसी भी सामान्य कार्य क्षमता का मापन करते हैं। यह परीक्षण सामान्यतया सामान्य बुद्धि, मानसिक योग्यता अथवा सीखने की योग्यता का मापन करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। कुछ विद्वान इन्हें शैक्षिक परीक्षण के नाम से पुकारना अधिक उपयुक्त समझते हैं क्योंकि सामान्य अभिक्षमता परीक्षण वर्ग में समान्य बुद्धि परीक्षण अथवा सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण जैसे मापन उपकरण रखे जाते हैं।

२) भेदक अभिक्षमता परीक्षण -- इस परीक्षण के अंतर्गत श्रृंखला प्रकार के परीक्षण किए जाते हैं अर्थात कहा जा सकता है कि इस प्रकार के अभिक्षमता परीक्षण या तो अनेक परीक्षण का समूह होता है अथवा इस परीक्षण में अनेक उप परीक्षण होते हैं।ये परीक्षण व्यक्ति के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों की अभिक्षमता को इंगित करते हैं ।तथा जिन पर व्यक्ति के द्वारा प्राप्त अंको का तुलनात्मक विवेचन करके व्यक्ति को अधिक अभिक्षमता वाले क्षेत्रों को ज्ञात किया जाता है ।क्योंकि यह व्यक्ति के विभिन्न अभिक्षमता में भेद को विभक्त कर व्यक्त करते हैं ।इसीलिए इन्हें भेदक अभिक्षमता परीक्षण का जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में प्रायः शाब्दिक बोध ,अंकिक बोध ,स्थानगत बोध,यांत्रिक बोध,लीपकिय क्षमता , स्वभावगत झुकाव आदि से संबंधित परीक्षण होते हैं । इस परीक्षण के अंतर्गत विभेदक अभिक्षमता परीक्षण बैटरी, अभिक्षमता वर्गीकरण परीक्षण तथा अभिक्षमता सर्वेक्षण इत्यादि प्रमुख परीक्षण आते है। भारत में अभी इस वर्ग के अन्तर्गत के परीक्षण का निर्माण नहीं हो सका है।

३) विशिष्ट अभिक्षमता परीक्षण ---- इस प्रकार के अभिक्षमता परीक्षण में किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्ति की अभिक्षमता का मापन करने के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं। जैसे यांत्रिका अभिक्षमता परीक्षण, संगीत वि अभिक्षमता परीक्षण, शिक्षण अभिक्षमता परीक्षण तथा चिकित्सीय अभिक्षमता परीक्षण क्रमशःयांत्रिक संगीत, शिक्षा,तथा चिकित्सा के क्षेत्र में किसी की क्षमता को मापने के लिए तैयार किए जाते हैं ।विभिन्न विशेष क्षमता का मापन करने वाले परीक्षण निम्न वत है--

सीशोर संगीत प्रतिभा परीक्षण

विंग संगीत बुद्धि के प्रमापी कृत परीक्षण

संगीत अभिक्षमता प्रोफाइल

हॉर्न कला अभिक्षमता सूची

नियर कला परीक्षण

मिनीसोटा लिपकिए परीक्षण

यांत्रिक बोध के परीक्षण

चिकित्सा महाविद्यालय प्रवेश परीक्षण

कानून विद्यालय प्रवेश परीक्षण

पूर्व अभियांत्रिकी योग्यता परीक्षण

भारत में भी कुछ विशेषता विषमता परीक्षणों का निर्माण मनोवैज्ञानिक शाखाओं , व्यवसायिक परामर्श संस्थाओं तथा अनुसंधानकर्ताओं के द्वारा किया गया है इनमें से कुछ परीक्षण निम्नवत है
यांत्रिका विषमता परीक्षण
लिखिए अभिक्षमता परीक्षण
वैज्ञानिक अभियंता परीक्षण माला
अध्यापन अभिक्षमता परीक्षण
डी ए टी के प्रारूप एल का अनुशीलन।

अतः किसी क्षेत्र विशेष में किसी व्यक्ति की सफलता की संभावना को बताने वाली विशिष्ट योग्यता तथा क्षमता को ही अभिक्षमता नाम से जाना जाता है ।अभिक्षमता में किसी भी क्षेत्र विशेष में व्यक्ति की सफलता या असफलता का पूर्व अनुमान लगाया जा सकता है। अभिक्षमता व्यक्ति की भावी संभावनाओं की ओर इंगित करती है। क्षमता के मापन के लिए विभिन्न तरह के अभिक्षमता परीक्षण का उपयोग होता है। यह परीक्षण किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्ति की क्षमता का मापन करते हैं ।भारतवर्ष में अभिक्षमता परीक्षण के निर्माण की दिशा में काफी कम कार्य हुआ है।